अभ्यास पत्रक

पाठ: 8 - बिरजू महाराज से साक्षात्कार

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) बिरजू महाराज के अनुसार, नृत्य सीखने के लिए किसका ज्ञान आवश्यक है?

(क) चित्रकला का (ख) इंजीनियरिंग का (ग) साहित्य का (घ) संगीत और लय का

(ii) शास्त्रीय नृत्य और लोक नृत्य में मुख्य अंतर क्या है?

(क) शास्त्रीय नृत्य कठिन और लोक नृत्य सरल होता है।

(ख) शास्त्रीय नृत्य दर्शकों के लिए और लोक नृत्य अपने मन बहलाव के लिए होता है।

(ग) शास्त्रीय नृत्य में संगीत होता है, लोक नृत्य में नहीं।

(घ) शास्त्रीय नृत्य गाँवों में और लोक नृत्य शहरों में होता है।

(iii) बिरजू महाराज के अनुसार, भरतनाट्यम में भाव-भंगिमा कहाँ से ली गई होती है?

(क) दैनिक जीवन से (ख) मूर्तिकला से (ग) लोक कथाओं से (घ) फिल्मी गानों से

(iv) नृत्य के अलावा बिरजू महाराज को किस काम में खूब मन लगता है?

(क) खाना बनाने में (ख) मशीनों को ठीक करने में (ग) खेती करने में (घ) किताबें लिखने में

(v) बैरगिया नाले की कहानी में नौ कथिकों ने अपनी कला से किसे मंत्रमुग्ध कर दिया था?

(क) तीन डाकुओं को (ख) गाँव वालों को (ग) नवाब को (घ) सिपाहियों को

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) बिरजू महाराज के अनुसार, लय जीवन में क्या बनाए रखती है?

उत्तर- .....

(ii) पुराने समय में कथक कहाँ पर होता था?

उत्तर- .....

(iii) बिरजू महाराज अपने ब्रीफकेस में हमेशा क्या रखते हैं?

उत्तर- .....

(iv) बिरजू महाराज के अनुसार लड़कियों के पास हुनर क्यों होना चाहिए?

उत्तर- .....

(v) कथक की भाव-भंगिमा कहाँ से ली गई होती है?

egyanarchive

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) बिरजू महाराज ने परम्परा को एक वृक्ष के समान क्यों बताया है?

उत्तर- .....

.....

(ii) बिरजू महाराज के अनुसार, पुराने समय के कथक और आज के कथक के प्रस्तुतीकरण में क्या मुख्य अंतर आया है?

उत्तर- .....

.....

(iii) लय हमारे जीवन के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? घसियारे का उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) साक्षात्कार के आधार पर कथक और भरतनाट्यम नृत्य शैलियों के बीच के अंतरों को स्पष्ट करें।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (घ) संगीत और लय का

(ii) (ख) शास्त्रीय नृत्य दर्शकों के लिए और लोक नृत्य अपने मन बहलाव के लिए होता है।

(iii) (ख) मूर्तिकला से

(iv) (ख) मशीनों को ठीक करने में

(v) (क) तीन डाकुओं को

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) बिरजू महाराज के अनुसार, लय जीवन में संतुलन बनाए रखती है।

(ii) पुराने समय में कथक फर्श पर चाँदनी बिछाकर होता था और दर्शक चारों ओर बैठते थे।

(iii) बिरजू महाराज अपने ब्रीफकेस में हमेशा पेचकस और दूसरे छोटे-मोटे औजार रखते हैं।

(iv) बिरजू महाराज के अनुसार लड़कियों के पास हुनर इसलिए होना चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर हो सकें।

(v) कथक की भाव-भंगिमा दैनिक जीवन से ली गई होती है।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) बिरजू महाराज ने परम्परा की तुलना एक वृक्ष से की है जो सबको एक जैसी छाया और आश्रय देता है। उनका कहना है कि मूल परम्परा एक ही होती है, लेकिन उसके नीचे बैठने वाले (कलाकार) अलग-अलग स्वभाव के होते हैं और उसे अपने-अपने ढंग से प्रस्तुत करते हैं, जैसे एक ही बीज से उगा नया वृक्ष अपनी हवा, पानी और खाद के अनुसार अलग रूप लेता है।

(ii) मुख्य अंतर यह है कि पहले नर्तक कथा के दृश्यों का बहुत विस्तृत वर्णन करते थे, जिससे पूरा दृश्य दर्शक के सामने साकार हो जाता था। अब केवल संकेत मात्र में 'पनघट की गत देखो' कहकर बाकी सब दर्शक की कल्पना पर छोड़ दिया जाता है।

(iii) लय हमारे हर काम में संतुलन बनाए रखती है। जैसे घसियारा घास को हाथ से पकड़कर हँसिया मारता है और फिर घास हटाता है। यदि उसके मारने और हटाने की इस लय में जरा भी गड़बड़ी हो जाए तो उसका हाथ कट सकता है। इसी तरह लय जीवन के हर क्षेत्र में संतुलन के लिए आवश्यक है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) साक्षात्कार के अनुसार कथक और भरतनाट्यम नृत्य शैलियों में निम्नलिखित मुख्य अंतर हैं:

- **भाव-भंगिमा का स्रोत:** कथक की भाव-भंगिमा दैनिक जीवन की गतिविधियों से प्रेरित होती है, जैसे घूँघट उठाना या किसी को बुलाना। इसके विपरीत, भरतनाट्यम में भाव-भंगिमाएँ मूर्तिकला से ली गई होती हैं, जैसी मंदिरों की मूर्तियों में होती हैं।
- **भावों का प्रयोग:** भरतनाट्यम में दोनों भावों (संभवतः लास्य और तांडव) का एक साथ प्रयोग होता है, जबकि कथक में बारी-बारी से होता है।
- **शारीरिक गति:** कथक में गर्दन को चिराग की लौ के समान हल्के से हिलाया जाता है और उँगलियों का प्रयोग भी बहुत कोमलता से होता है। जबकि भरतनाट्यम की मुद्राएँ अधिक स्थिर और मूर्तिकला पर आधारित होती हैं।